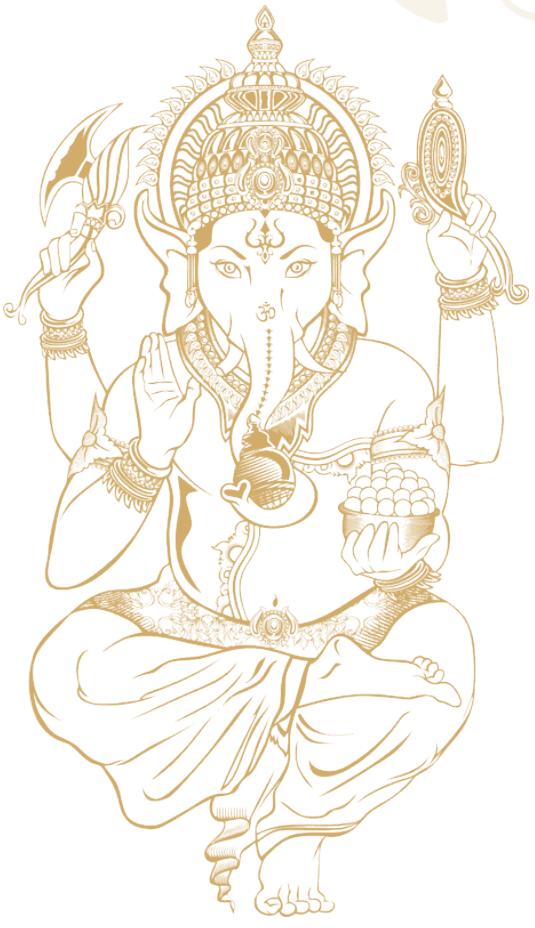

premnidhi

salila jhareda

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121036001

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121036001 Date: 24/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/10/1997	जन्म तिथि	2-03/07/1999
गुरुवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 16:45:00	जन्म समय	03:15:00 घंटे
घटी 26:15:20	जन्म समय(घटी)	54:17:06 घटी
India	देश	India
Hindaun	स्थान	Hindaun
26:44:00 उत्तर	अक्षांश	26:44:00 उत्तर
77:02:00 पूर्व	रेखांश	77:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:52	स्थानिक संस्कार	-00:21:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:51	सूर्योदय	05:32:09
18:08:21	सूर्यास्त	19:19:16
23:49:28	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:48

कुम्भ	लग्न	वृष
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कन्या	राशि	कुम्भ
बुध	राशि-स्वामी	शनि
चित्रा	नक्षत्र	धनिष्ठा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
1	चरण	3
ऐन्द्र	योग	प्रीति
बव	करण	बालव
पे-पेशवा	जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
वैश्य	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 6वर्ष 8मा 25दि		18:12:06	कुंभ	लग्न	वृष	13:10:46	मंगल 2वर्ष 2मा 4दि	
गुरु		15:28:21	कन्या	सूर्य	मिथु	16:43:04	गुरु	
29/06/2022		23:50:00	कन्या	चंद्र	कुंभ	02:30:53	06/09/2019	
29/06/2038		08:39:13	वृश्चि	मंगल	तुला	05:25:33	06/09/2035	
गुरु	16/08/2024	06:35:48	कन्या	बुध	कर्क	11:49:39	गुरु	24/10/2021
शनि	27/02/2027	18:19:21	मक व	गुरु	मेष	06:51:00	शनि	07/05/2024
बुध	04/06/2029	29:33:44	तुला	शुक्र	कर्क	29:57:13	बुध	13/08/2026
केतु	11/05/2030	23:41:22	मीन व	शनि	मेष	20:32:46	केतु	20/07/2027
शुक्र	09/01/2033	25:54:46	सिंह व	राहु	कर्क	19:21:29	शुक्र	20/03/2030
सूर्य	28/10/2033	25:54:46	कुंभ व	केतु	मक	19:21:29	सूर्य	06/01/2031
चन्द्र	27/02/2035	10:58:18	मक व	हर्ष व	मक	22:16:41	चन्द्र	07/05/2032
मंगल	03/02/2036	03:22:05	मक व	नेप व	मक	09:44:38	मंगल	13/04/2033
राहु	29/06/2038	09:41:06	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:26:57	राहु	06/09/2035

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:28 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:48

लग्न-चलित

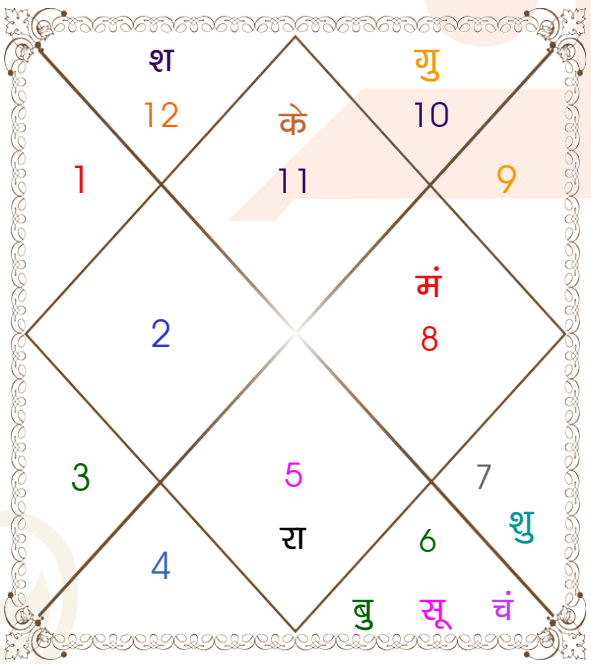

लग्न-चलित

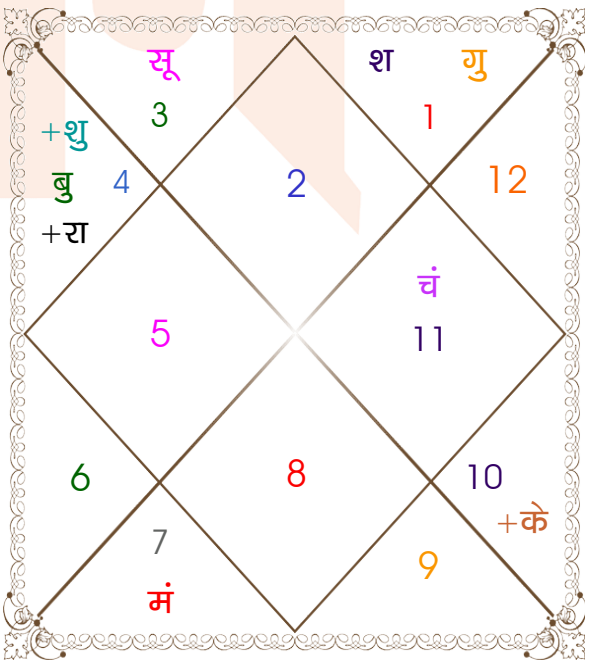

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

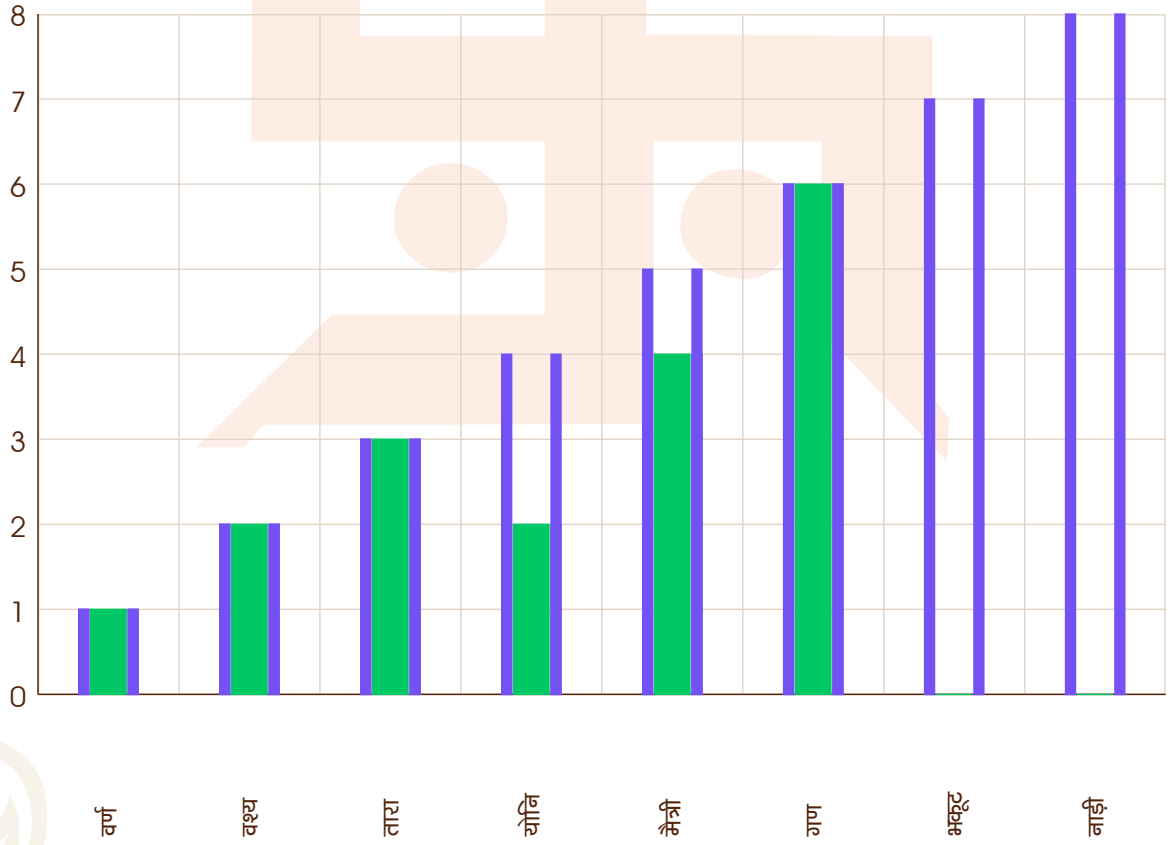

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

चतमउदपकीप का वर्ग मूषक है तथा ेंसपसं रींतमकं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार चतमउदपकीप और ेंसपसं रींतमकं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

चतमउदपकीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ेंसपसं रींतमकं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

चतमउदपकीप तथा ेंसपसं रींतमकं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

चतमउदपकीप का वर्ण वैश्य है तथा ेंसपसं रींतमकं का वर्ण शूद्र है। इसमें ेंसपसं रींतमकं का वर्ण चतमउदपकीप के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप ेंसपसं रींतमकं अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए ेंसपसं रींतमकं हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

चतमउदपकीप का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ेंसपसं रींतमकं का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। चतमउदपकीप एवं ेंसपसं रींतमकं दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

चतमउदपकीप की तारा जन्म तथा ेंसपसं रींतमकं की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

चतमउदपकीप की योनि व्याघ्र है तथा ेंसपसं रींतमकं की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या

कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में चतमउदपकीप का राशि स्वामी ेंसपसं रींतमकं के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि ेंसपसं रींतमकं का राशिस्वामी चतमउदपकीप के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

चतमउदपकीप का गण राक्षस है तथा ेंसपसं रींतमकं का गण भी राक्षस है। अर्थात ेंसपसं रींतमकं का गण चतमउदपकीप के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण चतमउदपकीप एवं ेंसपसं रींतमकं दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

चतमउदपकीप से ेंसपसं रींतमकं की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा ेंसपसं रींतमकं से चतमउदपकीप की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण चतमउदपकीप लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। ेंसपसं रींतमकं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच

वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

चतमउदपकीप की नाड़ी मध्य है तथा ेंसपसं रींतमकं की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में चतमउदपकीप एवं ेंसपसं रींतमकं का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

चतमउदपकीप की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा ंसपसं रींतमकं की राशि वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं अग्नितत्व में असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं के मध्य स्वभावगत विषमताएं होगी जिससे दाम्पत्य संबधों में तनाव रहेगा। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा।

चतमउदपकीप की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा ंसपसं रींतमकं की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम एवं मित्र राशियों में स्थित है। अतः गृहस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए यह ग्रह स्थिति सामान्यतया अच्छी रहेगी। इसके प्रभाव से चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं के मध्य स्नेह सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सदगुणों की परस्पर प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं का दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखमय रहेगा।

चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं की राशियां परस्पर षडाष्टक भावों में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं के मध्य अनावश्यक मतभेद तथा विवाद रहेंगे जिससे संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। साथ ही अनावश्यक क्रोध के प्रदर्शन एवं एक दूसरे की आलोचना भी वातावरण को प्रतिकूल बनाएगी। इस योग में चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे स्थिति प्रतिकूल रहेगी। अतः चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं को बुद्धिमता पूर्वक आपसी व्यवहार सम्पन्न करना चाहिए।

चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी स्वभावगत अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे। इससे उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता आएगी।

चतमउदपकीप का वर्ण वैश्य तथा ंसपसं रींतमकं का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं अनुकूल रहेंगी। चतमउदपकीप धनार्जन संबधी कार्यो में रूचिशील होंगे परन्तु ंसपसं रींतमकं ईमानदारी तथा परिश्रम से किसी भी कार्य को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी जिससे कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेंगे।

धन

चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य

ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

चतमउदपकीप को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से चतमउदपकीप को धातु संबंधी तथा ंसपसं रींतमकं को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ंसपसं रींतमकं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ंसपसं रींतमकं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ंसपसं रींतमकं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार चतमउदपकीप और ंसपसं रींतमकं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ेंसपसं रींतमकं के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांतेंसपसं रींतमकं के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

ेंसपसं रींतमकं अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकारेंसपसं रींतमकं के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

चतमउदपकीप के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को चतमउदपकीप अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी चतमउदपकीप के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण चतमउदपकीप के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।